बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम् **दिनांक -08-10-2020**

विषय – हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज पाठ – 6 अमूल्य उपहार के बारे में अध्ययन करेंगे।

शरदा - नमस्ते, नमस्ते पिंटू जी। इतने बड़े, इतने बड़े जितना ताड़।

पापा- तिल का ताड़ मत बनाइए बहिन जी! अभी तो पिंटू तिल है, नन्हा सा तिल।

शारदा - पर भाई साहब, यह आँख वाला तिल है या लड्डू वाला? पिंटू

पापा - (ठहाका लगाते हुए) जो भी आप समझो। बालक

पिंटू- अच्छा आंटी, जल्दी चलो अब। सारा कार्यक्रम लेट हो रहा है। पिंटू

शारदा - हाँ-हाँ पिंटू साहब, आपको तो एक-एक मिनट भारी लग रहा होगा न।

पिंटू - बिल्कुल आंटी

(सब लोग के पास गूंज पहुँचते है।। पिंटू मोमबत्तियाँ बुझाता है) केक काटता है और ' हैप्पी बर्थडे टू यू' की आवाजों से वातावरण गूँज उठता है। मेहमान खाते हुए।

पिंटू- (दोस्तों को विदा करते हुए) अच्छा फिर मिलेंगे दोस्तों बाय!

दोस्त - बाय! गुड बाय!,

(मेहमानों के जाने के बाद) बाद पिंटू को एक कोने में मैले-फटे कपड़े पहने, दस-बारह वर्ष का एक बालक खड़ा दिखाई देता है।)

पिंटू - क्यों भाई, तुम यहाँ कैसे खड़े हो? हमसे कोई काम है क्या?

बालक- नहीं, काम तो नहीं है जी। देख रहा था, यह क्या हो रहा है?

पिंटू-क्या देखा तुमने?

बालक - आज कोई त्योहार था क्या? होली-दिवाली जैसा।

पिंटू - नहीं भाई, त्योहार नहीं था। मेरी वर्षगाँठ थी, बारहवीं वर्षगाँठ।

बालक- वर्षगाँठ क्या होती है जी?

पिंटू-क्या तुम यह भी नहीं जानते?

बालक - (सिर हिलाते हुए) मैं क्या जानूँ भैया! यह भी

कोई त्योहार होता है क्या?

पिंटू - (हँसते हुए) तुम तो बहुत ही सीधे लगते हो।

हर साल जन्मदिन मनाया जाता है न?

तुम्हारा जन्मदिन नहीं मनाया जाता क्या?

ध्यान पूर्वक पढेगें।